भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
18.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3695 का उत्तर

नई रेलगाड़ियों में जोड़े गए सामान्य और वातानुकूलित डिब्बों की संख्या

3695. श्री सुदामा प्रसाद:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत दस वर्षों के दौरान विभिन्न जोनों के साधारण डिब्बों (एक्सप्रेस और पैसेंजर दोनों प्रकार की रेलगाड़ियां) में यात्रा करने वाले व्यक्तियों की संख्या के लिए मौजूदा सीटों की तुलना में यात्रियों की वास्तविक संख्या का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) वातानुकूलित डिब्बों में यात्रा करने वालों के संबंध में समान आंकड़े क्या हैं;

(ग) विगत दस वर्षों के दौरान रेलगाड़ियों में उपलब्ध सामान्य डिब्बों की जोन-वार संख्या कितनी है; और

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान जोन-वार नई रेलगाड़ियों में कितने नए सामान्य डिब्बे और वातानुकूलित डिब्बे जोड़े गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ) भारतीय रेल पर यात्री यातायात के लिए सीटों/स्थान की मांग का पैटर्न और संख्या एक-समान नहीं होता है। नियमित समय-सारणी वाली गाड़ी सेवाओं के अतिरिक्त, भारतीय रेल स्पेशल गाड़ियों को भी परिचालित करती है एवं त्यौहार/अत्यधिक मांग वाली अवधि के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए अस्थायी आधार पर अतिरिक्त सवारी डिब्बों को जोड़ती है। इस प्रकार श्रेणी-वार सीटों की संख्या, ऐसे अस्थायी सवारी डिब्बों की वृद्धि के पैटर्न और एक वर्ष के दौरान परिचालित ऐसी स्पेशल गाड़ियों की यात्राओं की संख्या के अनुसार भिन्न होती है। बहरहाल, भारतीय रेल पर, 2013-14 से 2023-24 तक, कुल लगभग 709.5 करोड़ और 6863 करोड़ यात्रियों ने क्रमशः आरक्षित और अनारक्षित श्रेणियों में यात्रा की।

गाड़ी सेवाओं की संरचना परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात औचित्य आदि पर निर्भर करती है और तदनुसार समय-समय पर बदलती रहती है। भारतीय रेल सामान्य श्रेणी के यात्रियों सहित सभी श्रेणी के यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करती है। वर्तमान में गाड़ी सेवाओं के चालन के लिए उपयोग किए जा रहे कुल सवारी डिब्बों में से दो-तिहाई गैर-वातानुकूलित तथा एक-तिहाई वातानुकूलित सवारी डिब्बे हैं। मौजूदा नीति के अंतर्गत भी मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की संरचना में 22 सवारी डिब्बों वाली गाड़ी में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी और गैर-वातानुकूलित शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रावधान है। इससे सामान्य श्रेणी और गैर-वातानुकूलित शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों को अधिक सुविधा प्राप्त होती है।

अनारक्षित सवारी डिब्बों की संख्या बढ़ाने और उनमें यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए, चालू वित्त वर्ष (नवंबर 2024 तक) के दौरान एलएचबी सवारी डिब्बों के साथ चलने वाली मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों में 900 से अधिक सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे जोड़े गए हैं। बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेल ने सामान्य श्रेणी और शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों सहित 10,000 गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों के विनिर्माण की योजना बनाई है। वित्त वर्ष 2019-20 से 2024-25 (अक्टूबर 2024 तक) के दौरान विभिन्न सेवाओं में विभिन्न श्रेणियों में लगभग 5200 सवारी डिब्बे जोड़े गए, जिनमें से 1100 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे थे।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल ने अमृत भारत सेवाएं शुरू की हैं, जो आधुनिक विशेषताओं और यात्री सुविधाओं जैसे झटका मुक्त यात्रा के लिए सेमी-परमानेंट कपलर, क्षैतिज स्लाइडिंग खिड़कियां, फोल्डेबल स्नैक टेबल और बॉटल होल्डर, मोबाइल होल्डर आदि से सुसज्जित हैं। ये सेवाएं, जो पूरी तरह से गैर-वातानुकूलित गाड़ियां हैं, जिनमें वर्तमान में 12 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बे और 8 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे शामिल हैं, यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

दुर्गा पूजा/दीपावली/छठ के दौरान भीड़ की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, लगभग 1.8 करोड़ यात्रियों को सेवित करने के लिए 1 अक्टूबर, 2024 से 30 नवंबर, 2024 की अवधि के दौरान स्पेशल गाड़ियों के 7990 फेरे भी परिचालित किए गए हैं।

*****